नईदुनिया

भारत-ओमान व्यापार समझौते पर जल्द ही अच्छी खबर आएगी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली

फ्रांस की यात्रा पर गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को पेरिस में टोटल एनर्जीज के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पैट्रिक पॉयने से यहां मुलाकात की। इस दौरान पैट्रिक पॉयने ने भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में गहन सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत आगे बढ़ रही है। इस पर कुछ अच्छी खबर बहुत जल्द आ सकती है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने सीईओ पैट्रिक पॉयने से मुलाकात के दौरान भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में गहन सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। वह 3 जून को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की एक लघु-मंत्रिस्तरीय बैठक में भी भाग लेंगे।इसके बाद गोयल ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि ओमान एफटीए पर आपको बहुत जल्द ही अच्छी खबर सुनने को मिलेगी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसी नेताओं और कारोबारियों से बातचीत करने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। इस साल जनवरी में गोयल की मस्कट यात्रा के बाद वार्ता को बहुत ज़रूरी प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि ओमान भारत के लिए खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का पहले से ही एक अन्य जीसीसी सदस्य यूएई के साथ ऐसा ही समझौता है, जो मई, 2022 में लागू हुआ। आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपी) के रूप में नामित इस समझौते के लिए वार्ता औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई। उन्होंने कहा कि कहा, ''ये समझौते दोनों पक्षों के लिए बाजार खोलने की दिशा में हैं, जिससे सभी प्रक्रियाओं में प्रतिस्पर्धात्मकता, उत्पादकता और दक्षता बढ़ेगी।'' वाणिज्य मंत्री ने बताया कि बजट में घोषित राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन जल्द ही शुरू हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अनिल अंबानी की कंपनियों ने एक महीने में ही निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न, मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को करना पड़ रहा है चुनौतियों का सामना

मुंबई। अनिल अंबानी और मुकेश अंबानी दोनों दुनिया के दिग्गज कारोबारियों में शामिल हैं। कुछ समय पहले अनिल अंबानी लगातार नुकसान में जा रहे थे और बड़े भाई मुकेश अंबानी की कंपनियों में तेजी देखी जा रही थी। लेकिन इस समय अनिल अंबानी की प्रतिष्ठित कंपनियों में तेजी देखने को मिल रही है, जबकि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अनिल अंबानी की कंपनियों ने एक महीने के भीतर अच्छे रिटर्न प्रदान किए हैं। रिलायंस पावर ने 125 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने 90 फीसदी रिटर्न दिया है और रिलायंस होम फाइनेंस ने 50 फीसदी रिटर्न दिया है। अनिल अंबानी का इस प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वहीं मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को एक साल में 6 फीसदी की गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। यह चुनौती के समय की निशानी हो सकती है जो इस बढ़ते हुए बिजनेस जंग में किसी के भी जीत पर सवाल उठा सकती है। मुकेश अंबानी को अपने कंपनी को पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है ताकि वह अपनी स्थिति को सुधार सकें और दुविधाओं का सामना कर सकें।

यश बैंक ने 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य निर्धारित किया

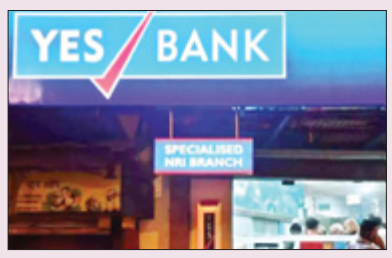

नई दिल्ली। तकनीक और वितरण क्षमता मजबूत करने के लिए ध्यान केंद्रित करने पर यस बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में वृद्धि दर को तेज करने की योजना बनाई है। यह नीति अनुशासित तरीके से लागू की जाएगी। बैंक ने 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य निर्धारित किया है जिसका मुख्य उद्देश्य वितरण को बेहतर बनाना और बाजार की बारीकी से निगरानी रखना है। यह योजना यस बैंक के खुदरा कारोबार को मजबूत करने के लिए कदम उठाएगी। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने वर्ष 2025 के साथ एक साक्षात्कार में बातचीत किए और बताया कि बैंक विशेष ध्यान देकर एक मजबूत खुदरा फ्रैंचाइजी बनाने का लक्ष्य रखता है। कहा गया कि अगले वर्ष का लक्ष्य मध्यम वृद्धि होगा और बैंक वितरण पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने उत्पाद का कवरेज बढ़ाना चाहते हैं और खुदरा कारोबार में वृद्धि करना चाहते हैं। यस बैंक का खुदरा कारोबार सालाना आधार पर 1.01 लाख करोड़ रुपये रह गया था। इस श्रेणी में एसएमई, मिड कॉर्पोरेट और कॉर्पोरेट ऋण सभी विभागों ने सालाना बर्तियों दर से वृद्धि की थी।

कुछ राज्यों की तुलना में मप्र, छग की कम महिलाओं के पास है मोबाइल फोन सबसे अच्छी स्थिति गोवा, लद्दाख, मिजोरम, केरल और पुदुच्चेरी में

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास मोबाइल फोन के मामले में कुछ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पिछड़े हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार गोवा और लद्दाख में करीब 92 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन है, जो कि राष्ट्रीय औसत से बहुत अधिक है। इसके विपरीत छत्तीसगढ़, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में महिलाओं के पास मोबाइल फोन की संख्या कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे अच्छी स्थिति गोवा, लद्दाख, मिजोरम, केरल और पुदुच्चेरी में है जहां महिलाओं के पास मोबाइल फोन अधिक हैं। यह रिपोर्ट ऐसे क्षेत्रों को भी उजागर करती है जहां इस तकनीकी साधन की कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 48 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 72 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार मोबाइल फोन के मालिकाना का परिभाषित नियोक्ता और सक्रिय सिम कार्ड के साथ उपयोग के लिए डिवाइस को शामिल किया गया है। यह आंकड़े साबित करते हैं कि भारतीय महिलाएं तकनीकी साधनों के उपयोग में पिछड़ रही हैं और इसमें सुधार की आवश्यकता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,911. 69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.32 प्रतिशत टूट कर 19,113.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 173.05 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,097.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उठा पटक होते रहने के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,772.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,997.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,751.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में चौतरफा गिरावट का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। एशिया के किसी भी बाजार में अभी तक के कारोबार में तेजी नजर नहीं आ रही है। दूसरी ओर, थाईलैंड और चीन के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से सेट कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है।

गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 240.50 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,596.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 3,876.80 के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 546.06 अंक यानी 2.34 प्रतिशत फिसल कर 22,743.71 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 380.09 अंक यानी 1.78 प्रतिशत लुढ़क कर 20,967.21 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 118.42 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,057.40 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 602.16 अंक यानी 1.59 प्रतिशत टूट कर 37,362.94 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,688.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कनेक्टिविटी बढ़ने से मजबूत हो रहा भारतीय विमानन बाजार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात एसोसिएशन ने बताया कि भारतीय विमानन बाजार कनेक्टिविटी, नेटवर्क और हवाई अड्डा बुनियादी ढांचे में वृद्धि के साथ मजबूत होकर उभर रहा है। देश में मजबूत एयरलाइनों के उभरने के कारण भारतीय विमानन बाजार में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। भारत, नेपाल और भूटान के एक अधिकारी ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में एसोसिएशन के उद्घाटन समारोह की मेजबानी की। उन्होंने एसोसिएशन की नींव मजबूत करने के लिए हवाईअड्डा बुनियादी ढांचे में भी उल्लेखनीय वृद्धि की बात कही और इसे देश के लिए एक अच्छी नींव प्रदान करने वाला माना। उन्होंने यह भी बताया कि सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) उत्पादन की उम्मीद 2026 तक भारत में है। आईटीए का कहना है कि वे लगभग 350 एयरलाइनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो वैश्विक हवाई यातायात का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। एसोसिएशन 42 वर्षों के बाद पहली बार भारत में अपनी वार्षिक आम बैठक आयोजित करेगा, जिसके माध्यम से देश के विमानन उद्योग का विकास किया जाएगा। विमानन उद्योग सीधे तौर पर 3,69,700 लोगों को रोजगार देता है और देश की जीडीपी में 5.6 अरब डॉलर का योगदान देता है। इसके अलावा विमानन सेक्टर 77 लाख नौकरियां प्रदान करता है और 53.6 अरब डॉलर का योगदान करता है।

अमेरिकी सीनेटरों ने पेश किया 500 फीसदी शुल्क का प्रस्ताव

नई दिल्ली

अमेरिका के सबसे शक्तिशाली सीनेटरों में से एक ने रूस के कच्चे तेल के कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ाने के लिए एक विधेयक का प्रस्ताव रखा है, जिससे भारत के रूसी तेल के आयात पर हो सकता है नकारात्मक प्रभाव। इस प्रस्ताव के तहत देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने की संभावना है, जिसमें भारत और चीन भी शामिल हैं।

यह कदम रोजाना लगभग 20 लाख बैरल रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति पर खतरा उत्पन्न कर सकता है। साथ ही इस प्रस्ताव से आने वाले कठोर उपायों से भारत का कच्चे तेल आयात को पंगु बनाने का खतरा है। यह फरवरी महीने में लगभग 15.4 करोड़ डॉलर की मूल्यवर्धित आपूर्ति पर प्रभाव डाल सकता है। स्थिति में अब तक 80 से अधिक सीनेटरों ने इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम भी शामिल हैं।

इसे देशों जैसे जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ योगदान के माध्यम से तैयार किया गया है, जिन्होंने हाल ही में रूसी जहाजों पर कुछ सख्त नए प्रतिबंध लगाए हैं। भारत ने इन प्रतिबंधों को अब तक मान्यता नहीं दी है, लेकिन आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों का सावधानी से पालन कर रहा है। यह हाल फरवरी में रूस की सबसे सस्ती क्रूड तेल कीमतों पर भारत के आयात पर भारी प्रभाव डालने की संभावना बना सकता है।

भारतीय अधिकारियों ने कहा कि आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों को भी भारत नहीं मानता, लेकिन भारतीय बैंक और रिफाइनर अमेरिका से सावधान रहते हैं। यूरोपीय बेंचमार्क क्रूड ब्रेंट की तुलना में रूसी तेल 2 से 5 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर सुरक्षित किया गया था। फरवरी मे इराक के बाद रूस का कच्चा तेल सबसे सस्ता था, जो 77 डॉलर प्रति बैरल पर मिल रहा था। सीमा शुल्क के आंकड़ों के आधार पर गणना से पता चलता है कि सऊदी अरब और अमेरिका के तेल की तुलना में रूस का तेल 5 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था।

सरकारी कंपनियों का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की सरकारी कंपनियों ने पिछले वित्तवर्ष में बैंक, वित्तीय और तेल-गैस क्षेत्र में बंपर मुनाफा कमाया है, परंतु इस वर्ष इसमें गिरावट आई है। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों और सरकार को डिविडेंड भी दिया है, लेकिन 2024-25 में इसका प्रतिशत कम हो गया है। सरकारी कंपनियों का 2025 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से भारत सरकार को कुल 82,995 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। यह पिछले वर्ष से लगभग एक फीसदी कम है।

भारत में अमीरों की संख्या 50 फीसदी तक बढ़ने की संभावना

लग्जरी रिटेल बाजार भी 2025 तक बढ़ सकता है 15 से 20 प्रतिशत

मुंबई

भारत में अमीर व्यक्तियों की संख्या में 2023 से 2028 तक लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हो सकती है। यह बात एक रिपोर्ट के आधार पर कही गई है। इसके साथ, भारत के लग्जरी रिटेल बाजार में 2025 तक 15 से 20 प्रतिशत सालाना की दर से वृद्धि की संभावना है। इस ग्रोथ में जनसंख्या की संरचना में बदलाव, तेजी से होता शहरीकरण और उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में बदलाव समेत कई महत्वपूर्ण कारण हैं। हालांकि कुछ चुनौतियां भी उभरी हैं। 7 लाख रुपए से अधिक के आयातित उत्पादों पर

वृद्धि हुई टैक्स उपभोक्ता को मेड इन इंडिया उत्पादों की ओर आकर्षित कर सकती है। साथ ही 28 फीसदी ग्राहक जीएसटी भी इस बाजार की ग्रोथ के लिए एक बड़ी बाधा हो सकती है।

इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था में धारावाहिक वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम के अनुसार भारत की जीडीपी 2026 तक 4.187 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है, जो जापान से अधिक होगी। फैशन, ज्वेलरी और लग्जरी घड़ियों जैसे सेगमेंट में भारत में 2019 से 2023 के बीच 5 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्ज की गई, जो 2025 में कुछ मामूली गिरावट देखने के साथ भी अस्वीकृत की गई। इस गिरावट का कारण चीन जैसे प्रमुख बाजारों में आर्थिक संकट बताया जा रहा है।

एयर इंडिया और एयर मॉरीशस की 'कोडशेयर' साझेदारी बढ़ेगी

कुल 17 मार्गों पर 'कोड' साझा किया जाएगा

नई दिल्ली

विमानन कंपनी एयर इंडिया और एयर मॉरीशस ने अपनी 'कोडशेयर' साझेदारी का विस्तार करने की घोषणा की है। उनका कहना है कि इस साझेदारी के माध्यम से भारत को दक्षिण अफ्रीका, रीयूनियन और मेडागास्कर के साथ बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी। एयर इंडिया और एयर मॉरीशस के बीच कुल 17 मार्गों पर 'कोड' साझा किया जाएगा। इस साझेदारी के तहत उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाएं प्राप्त होंगी और बेहतर विमानन सेवाएं मिलेंगी। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन तथा एयर

मॉरीशस के चेयरमैन किशोर बीगू ने इस साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। एयर इंडिया अपना 'एआई' कोड एयर मॉरीशस की उड़ानों पर लगाएगा जो दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन, जोहान्सबर्ग, और मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो से आती-जाती हैं। इस साझेदारी से यात्रियों को मॉरीशस, रीयूनियन और दक्षिण अफ्रीका के बीच संचार करने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा। 'कोडशेयर' साझेदारी के अंतर्गत उड़ानों के लिए टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान की जाएगी, जो यात्रियों को सरलता और सुविधा देगी। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों कंपनियों की संयुक्त प्रयासों से यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा, साथ ही दोनों उड़ान सेवाओं को मजबूत करने में सक्षम होंगे।

मारुति सुजुकी की बिक्री मई में बढ़कर 1,80,077 इकाई हुई

मुंबई। मारुति सुजुकी इंडिया ने मई महीने में अपनी कुल वाहन बिक्री को सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़ाकर 1,80,077 इकाई तक पहुंचाया है। यह बिक्री वृद्धि आर्थिक संकट के बीच एक उज्जवल संकेत है। ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, जिम्नी, एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री मई में 54,899 इकाई पहुंच गई, जो मई 2024 में 54,204 इकाई थी। वहीं ईको वैन की बिक्री भी सालाना आधार पर 10,960 इकाई से बढ़कर 12,327 इकाई हो गई। मारुति सुजुकी इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि छोटी कारों में आए घाटे की वजह से कंपनी की बिक्री में कुचलाव आया है। एक साल पहले घरेलू यात्री वाहन की बिक्री में वृद्धि होते हुए इस माह की बिक्री में 6 प्रतिशत की कमी आई है। कॉम्पैक्ट कारों की भी बिक्री मई 2024 में 68,206 इकाई की तुलना में घटकर 61,502 इकाई रही है। इसमें बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर शामिल हैं। मारुति सुजुकी इंडिया अपनी नई यातायात वाहनों के लिए नए बाजार और संगठनों में अपनी अवधारणाओं के साथ मजबूती जारी रखने का संकल्प कर रही है।